Production of coking coal by Coal India

280. SHRI GOPALSINGH G. SOLANKI:

SHRI GAYA SINGH:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the total production of coking coal by the Coal India Limited and its subsidiaries during each of the last three years subsidiary-wise; and

(b) whether the Coal India Limited has taken any measures to improve the standard of coking coal as required by the steel and other industry?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) Companywise, raw coking coal production in Coal India Limited (CIL) during last 3 years was as under:

(million tonnes)

Company	1990-91	1991-92	1992-93
Eastern Coalfields Limited . . .	1.49	0.64	0.63
Bharat Coking Coal Limited . . .	22.36	22.58	22.82
Central Coalfields Limited . . .	16.59	17.14	16.61
Western Coalfields Limited . . .	0.74	0.69	0.70
South Eastern Coalfields Limited . .	0.11	0.10	0.11
Coal India Limited	41.29	41.15	40.87

(b) steps taken to improve the quality of coking coal include *inter-alia*.

(i) Coking coals are beneficiated before despatch to the steel plants except superior blendable coals.

(ii) Existing washeries are being modified to improve the productivity and quality of clean coal in accordance with Altekar Committee.

Supply of coal to various power houses in Madhya Pradesh

281. SHRI DILIP SINGH JUDEV: Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a) what is the total quantity of coal demanded by various power plant houses under Madhya Pradesh state electricity board (MPSEB) during the last three years, year-wise;

(b) what is the total quantity of coal actually supplied to them during the said period; and

(c) what steps have been taken or proposed to be taken by Government to supply the required quantity of coal to these power houses?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) and (b) The demand for coal vis-a-vis supply to the power house under Madhya Pradesh Electricity Board

during the years 90-91, 91-92 and 92-93 are given below :—

(Figures in '000 tonnes
(Data Provisional)

Power House	Demand			Supplies		
	90-91	91-92	92-93	90-91	91-92	92-93
Amarkantak	1263	1092	1200	789	827	1016
Korba East	2479	2020	1921	1967	1496	1485
Korba West	3420	3484	3552	3277	3393	3357
Satpura	4418	4300	4470	3797	4001	4429

(c) The coal companies are in a position to meet the full coal requirements of the power houses. Supply of coal to the power houses is also being closely monitored and corrective action is taken wherever necessary.

ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड की महावीर कोयला खान में हुई घटना

282. **श्री राम नरेश यादव** : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 13 नवम्बर, 1989 को कुनस्तोरिया क्षेत्र में स्थित ईस्टर्न कोल फील्ड लिमिटेड की महावीर कोयला खान में जो घटना घटित हुई थी उसके कारणों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई थी;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त समिति ने सरकार को अपना प्रतिवेदन दे दिया है; और

(ग) यदि हां, तो उक्त समिति के प्रतिवेदन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

श्रम मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री पो० ए० संगमा) : (क) और (ख) जी, हां।

(ग) मंत्रालय ने कोर्ट आफ इन्क्वारी की रिपोर्ट स्वीकार कर ली थी। तीन अधिकारियों अर्थात एजेंट एवं प्रबन्धक, सुरक्षा अधिकारी तथा सहायक प्रबन्धक जिन्हें इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है, के विरुद्ध अभियोजन चलाने का निर्णय लिया गया था। खान सुरक्षा महानिदेशालय ने इन तीन अधिकारियों के विरुद्ध 28-5-1992 को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, आसनसोल के न्यायालय में शिकायत दायर की है। रिपोर्ट की एक प्रति समुचित कार्रवाई हेतु 23-4-1992 को सचिव, कोयला मंत्रालय को भेजी गयी थी। मामला न्यायाधीन है।

बिहार खनिज विकास निगम

283. **श्री बृहदेव आनन्द पासवान** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार सरकार के माध्यम से बिहार खनिज विकास निगम ने जगेश कोयला खान सहित 12 कोयला खानें चलाने हेतु केन्द्रीय सरकार के पास एक प्रस्ताव भेजा है;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार ने यह कह कर उक्त प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है कि बिहार सरकार इन खानों को चलाने में सक्षम नहीं है;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि बिहार खनिज विकास निगम कुलला और सिकनी कोयला खानों (पलामू जिला) को चला कर करोड़ों रुपये का लाभ अर्जित कर रही है और इन 12 कोयला खानों को चलाने के द्वारा झारखंड के लगभग 10 हजार बेरोजगार आदिवासियों को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है;